Literacy for a Billion

Movie: Shaheed
Year: 1965

Song: Ae Watan Ae Watan
Lyricist: Prem Dhawan

जलते भी गए
कहते भी गए
आज़ादी के परवाने
जीना तो उसी का जीना है
जो मरना वतन पे जाने
ए वतन ए वतन
हमको तेरी क़सम
तेरी राहों में
जाँ तक लुटा जाएँगे
फूल क्या चीज़ है
तेरे क़दमों पे हम
भेंट अपने सरों की चढ़ा जाएँगे
ए वतन ए वतन
हमको तेरी क़सम
तेरी राहों में
जाँ तक लुटा जाएँगे
ए वतन ए वतन
सह चुके हैं सितम
हम बहुत ग़ैर के
अब करेंगे हर इक
वार का सामना
सह चुके हैं सितम
हम बहुत ग़ैर के
अब करेंगे हर इक
वार का सामना

झुक सकेगा ना अब
सरफ़रोशों का सर
चाहे हो
ख़ूनी तलवार का सामना
चाहे हो
ख़ूनी तलवार का सामना
सर पे बाँधे कफ़न
हम तो हँसते हुए
मौत को भी गले से लगा जाएँगे
ए वतन ए वतन
तू ना रोना
के तू है भगतसिंह की माँ
मर के भी लाल तेरा मरेगा नहीं
घोड़ी चढ़के तो
लाते हैं दुल्हन सभी
हँसके हर कोई फाँसी चढ़ेगा नहीं
इश्क़ आज़ादी से
आशिक़ों ने किया
देख लेना उसे हम
बियाह लाएँगे
ए वतन ए वतन
हमको तेरी क़सम
तेरी राहों में
जाँ तक लुटा जाएँगे
ए वतन ए वतन

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.